Merry Christmas!

Merry Christmas

दैनिक मुंबई हलचल ®

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

वर्ष: 9 - अंक : 255, मुंबई, बुधवार, 25 दिसंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान ■ मूल्य: 1 रु.

॥शुभ लाभ॥

MIX MITHAI

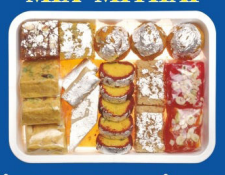

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

सूचना

25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर हमारा कार्यालय बंद रहेगा। इस कारण मुंबई हलचल का अगला संस्करण 27 दिसंबर 2019 को प्रकाशित होगा। –संपादक

उद्धव मंत्रिमंडल का पहला विस्तार 30 दिसंबर को

'अजित पवार बनाए जा सकते हैं उपमुख्यमंत्री'

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार 30 दिसंबर को हो सकता है। खबर के मुताबिक, एक राकांपा नेता ने बताया है कि इसमें अजित पवार प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। 29 नवंबर को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ शिवसेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो-दो मंत्रियों ने शपथ ली थी। करीब 15 दिन बाद मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किया गया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मारुति के पूर्व एमडी जगदीश खट्टर के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया

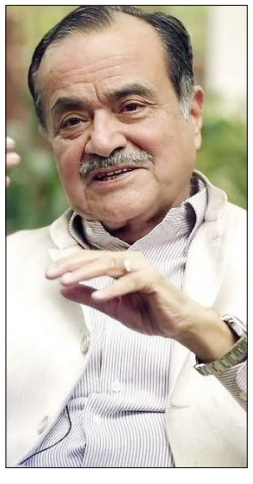

110 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप

नई दिल्ली। मारुति के पूर्व एमडी जगदीश खट्टर (77) के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। सीबीआई अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एफआईआर के मुताबिक खट्टर और उनकी कंपनी कारनेशन ऑटो इंडिया पर 110 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप है। सीबीआई ने खट्टर के ठिकानों और कारनेशन ऑटो के दफ्तरों पर सोमवार को छापे की कार्रवाई भी की थी। खट्टर 1993 से 2007 तक मारुति में रहे थे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पीएनबी ने खट्टर और कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया

हेमंत सोरेन ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

झारखंड। झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस-राजद गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। जेएमएम अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने राज्यपाल द्रोपदी मुर्मू के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इससे पहले राज्य के पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने भी महागठबंधन को सपोर्ट करने का ऐलान किया। सूत्रों के मुताबिक, 27 दिसंबर को हेमंत सोरेन झारखंड के सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। झारखंड में नियमों के मुताबिक सीएम समेत 12 मंत्री बन सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, गठबंधन के तहत कांग्रेस को 5 सीटें और स्पीकर का पोस्ट दिया जा सकता है। आरजेडी को मंत्रिमंडल में एक सीट मिल सकती है, जबकि बाकी 6 मंत्रियों का पद झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने पास रख सकती है।

एसआरए घोटाले में सरकार और ईडी को नोटिस

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 22 हजार करोड़ रुपये के झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना में दो निजी कंपनियों द्वारा कथित तौर पर धोखाधड़ी के मामले में राज्य सरकार और प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने याचिका दायर कर हाई कोर्ट से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। इस मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी। इमरान यूसुफ खान की याचिका पर न्यायमूर्ति बी. पी. धर्माधिकारी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोदी-शाह के अहंकारी राजनीति को जनता ने नकाराः पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ताधारी शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस ने झारखंड में हार के बाद भाजपा पर चौतरफा हमला किया है। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अहंकार को नकार दिया है। भाजपा ने झारखंड में सत्ता में बने रहने के लिए केंद्र की सत्ता और धनबल का इस्तेमाल किया, लेकिन मैं खुश हूं कि झारखंड के लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने कहा कि झारखंड के राकांपा नेताओं ने उन्हें बताया था कि स्थानीय लोगों का भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में भरोसा नहीं हैं, क्योंकि उसने वहां विकास की अनदेखी की है। हार को लेकर मोदी की जिम्मेदारी के सवाल पर पवार ने कहा कि यह भाजपा की हार है। जो लोग पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी, चाहे वह प्रधानमंत्री हो या पार्टी अध्यक्ष। उन्होंने कहा कि एक वर्ष में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के बाद झारखंड ऐसा पांचवां राज्य है जिसे

भाजपा ने गंवाया है। उन्होंने मोदी सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था को ठीक से नहीं संभालने का भी आरोप लगाया।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड के आदिवासियों और गरीबों ने अमित शाह की कथित रणनीति और भाजपा को खारिज कर दिया है। राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने झारखंड चुनाव जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया। भाषण दिए गए कि संशोधित नागरिकता कानून से झारखंड को मदद मिलेगी। फिर भी झारखंड के गरीबों और आदिवासियों ने भाजपा को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा को इस बात पर आत्ममंथन करने की जरूरत है कि महाराष्ट्र के बाद वह झारखंड चुनाव भी क्यों हार गई।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और मंत्री बालासाहेब थोरात ने आरोप लगाया कि भाजपा ने झूठे राष्ट्रवाद, अनुच्छेद 370, नागरिकता सुधार अधिनियम, एनआरसी और पाकिस्तान के मुद्दों का राजनीतिकरण करके चुनाव जीतने की कोशिश की है। लेकिन,वहां की जनता ने भाजपा की जनविरोधी राजनीति को हरा दिया। उन्होंने कहा भाजपा सरकार के पांच साल के शासन के दौरान झारखंड सभी क्षेत्रों में पिछड़ गया। भाजपा सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है, झारखंड के लोगों ने भाजपा की राजनीति को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त खबर

नाबालिग से बलात्कार मामले में हाई कोर्ट सख्त

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पांच वर्षीय बच्ची के बलात्कार के मामले में 29 वर्षीय व्यक्ति की दोषसिद्धि और सजा बरकरार रखते हुए तल्ख टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने कहा कि नाबालिग पीड़िता के यौन उत्पीड़न के दोषियों को निर्ममता और कठोरता से सजा दी जानी चाहिए। इसी के साथ न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की एकल पीठ ने दोषी सागर धुरी की याचिका खारिज कर दी।
धुरी को एक विशेष अदालत ने जून 2018 में दोषी ठहराया था और उसे 10 साल कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा को उसने हाई कोर्ट में चुनौती दिया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि इस प्रकार के अपराधों से निबटने के लिए एकदम स्पष्ट व्यवस्था है। इस तरह की मानसिकता वाले लोग सभ्य समाज के लिए खतरा हैं, इसलिए उन्हें निर्ममता के साथ कठोर सजा दी जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि इस मामले में अपीलकर्ता के सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि उसकी उम्र काफी है और उसे अपने कृत्य के नतीजे की जानकारी थी। इसके पहले अभियोजन पक्ष ने पूरे मामले से पीठ को अवगत कराया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, ठाणे में धुरी पीड़िता के पड़ोस में रहता था। उसने अप्रैल 2015 में बच्ची को अपने मोबाइल पर गाने दिखाने के बहाने बुलाया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता का एक मित्र उसके साथ खेलने के लिए उसे ढूंढ रहा था। उसने पीड़िता को दोषी के घर में देखा और पड़ोस में रहने वाली एक महिला को इसके बारे में बताया। महिला ने दोषी के घर के दरवाजे में छेद से अंदर झांका और धुरी को बच्ची से बलात्कार करते देखा। इसके बाद महिला ने पीड़िता को आवाज देकर बाहर बुलाया। वह उसे उसकी मां के पास ले गई और उसे घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई और आरोपी को हिरासत में लिया गया था।

बीएमसी चुनाव के लिए जुटे महिला कांग्रेसः गायकवाड

मुंबई। महिला कांग्रेस की सभी पदाधिकारियों को चाहे वह कितने भी बड़े पद पर क्यों न हो, आगामी बीएमसी चुनाव की दृष्टि से अपने-अपने वॉर्डों में पार्टी के अनुशासन में रहते हुए अभी से सक्रिय हो जाना चाहिए। यह बात मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष एकनाथ गायकवाड ने सोमवार को मुंबई महिला कांग्रेस के पदाधिकारी सम्मेलन में कही। सम्मेलन के दौरान पिछले विधानसभा चुनाव में महिला कांग्रेस के योगदान की समीक्षा की गई और आगामी बीएमसी चुनाव के लिए योजनाओं पर चर्चा की गई।
गायकवाड ने हर वॉर्ड में 12 महिलाओं के कमिटी बनाने, महिला कांग्रेस अध्यक्ष को नियमित रिपोर्ट देने, महिला कार्यकताओं की संख्या बढ़ाने और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने का सुझाव दिया। बैठक में ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की महासचिव शमीना शफीक, मुंबई कॉंग्रेस की अध्यक्ष डॉ. अजंता यादव उपस्थित थीं।

लूटपाट करने पर व्यक्ति को पांच साल की कैद

मुंबई। ठाणे की सत्र न्यायालय ने 35 वर्षीय एक व्यक्ति को लूटपाट के आरोप में पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। घटना वर्ष 2016 में शराब के ठेके में लूटपाट से जुड़ी है। जिला न्यायाधीश ए.एस. पंधारीकार ने सलीम उर्फ अल्ताफ सैयद को बॉम्बे पुलिस कानून के प्रावधानों और भारतीय दंड संहिता की संबद्ध धाराओं के तहत दोषी पाया। उस पर 6,200 रुपए का जुमार्ना भी लगाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक रेखा हिवराले ने न्यायालय को बताया कि आरोपी 22 जुलाई 2016 को ठाणे के राबोडी इलाके में शराब के ठेके पर गया था। वहां से उसने शराब की बोतल खरीदी। जब उसे 1,050 रुपये का बिल दिया गया, तो वह गुस्से में आ गया।

महाराष्ट्र कैबिनेट का विस्तार में अजित पवार बन सकते हैं उपमुख्यमंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के नवगठित कैबिनेट का विस्तार और विभागों का आवंटन को लेकर काफी समय से अटकलें लग रही हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि कैबिनेट विस्तार 23 दिसंबर को किए जाने की संभावना है। लेकिन अब खबर है कि कैबिनेट का विस्तार 30 दिसंबर को हो सकता है। एनसीपी के एक नेता ने सोमवार रात कहा कि महाराष्ट्र कैबिनेट का बहुप्रतीक्षित विस्तार 30 दिसंबर को होने की संभावना है और पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल हो सकते है।

कैबिनेट के विस्तार की चचाओं के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शाम को यहां सह्याद्री अतिथि गृह में लगभग एक घंटे तक चर्चा की। एनसीपी के सूत्रों ने बताया कि बैठक में सहयोगी पार्टी कांग्रेस का कोई नेता मौजूद नहीं था। जब उनसे कैबिनेट विस्तार की सही तारीख के बारे में पूछा गया तो एनसीपी नेता ने कहा, ह्यइसके 30 दिसंबर को होने की संभावना है और अजित पवार उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते है।ह्ल उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ चर्चा करने के बाद यह कवायद की जाएगी। बैठक के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना नेता और गृह मंत्री एकनाथ शिंदे ने एक मराठी समाचार चैनल को बताया कि मुख्यमंत्री कैबिनेट विस्तार के बारे में आधिकारिक सूचना देंगे। इससे पहले दिन में एनसीपी नेता शरद पवार ने पत्रकारों को बताया कि विभागों का आवंटन मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा, ह्यहम भी इंतजार कर रहे हैं, जब हमारे सहयोगियों को शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।ह्ल जब उनसे पूछा गया कि क्या एनसीपी के मंत्रियों की सूची तैयार हैं तो पवार ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी चीज को अंतिम रूप देने में अधिक समय नहीं लेती है।

मुंबईः प्रधानाचार्य ने लड़की पर तेजाब फेंका

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगर कंजुमार्ग में रविवार को 16 वर्षीय एक लड़की पर स्कूल के प्रधानाचार्य ने कथित तौर पर तेजाब फेंक दिया। लड़की ने इसी स्कूल से पढ़ाई की है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में भानुदुप स्कूल के एक प्रधानाचार्य और तीन अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें स्कूल का एक शिक्षक और दो कर्मचारी शामिल हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने लड़की के पिता की शिकायत को उद्धृत करते हुए बताया कि यह घटना रविवार सुबह उस समय हुई जब किशोरी टहलने निकली थी।

कम्युनिटी कनेक्ट : 'पूर्वांचलवासियों की मांगें होगी पूरी'

मुंबई। महानगर से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले तक चलने वाली एलटीटी-आजमगढ़ एक्सप्रेस के समय को बदलने को लेकर पूर्वांचल के मछली शहर के सांसद बी.पी. सरोज रेल मंत्री से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि एनबीटी में प्रकाशित पूर्वांचलवासी की समस्या उनके संज्ञान में है। अपना पूर्वांचल महासंघ ने जो समय बदलने की मांग की है, वह व्यावहारिक है। इसीलिए पूर्वांचलवासियों की सफर सहज और सरल बनाया जाएगा।

महासंघ के प्रतिनिधियों ने मुंबई दौरे पर आए मछलीशहर के सांसद सरोज को एनबीटी में प्रकाशित खबर को ज्ञापन के तौर पर सौंपा।

इस पर सरोज ने कहा कि उन्होंने पूर्वांचल के लिए रेल मंत्री और ट्रेनों की मांग की है। इस पर रेल मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया है। एलटीटी-आजमगढ़ एक्सप्रेस के बारे में मुंबई में आने पर उन्हें पता चला। इसके बाद महासंघ के प्रतिनिधियों ने भी ज्ञापन दिया है। वे सभी समस्याओं का निवारण करने के लिए जल्द ही दिल्ली जाकर रेल मंत्री से मिलेंगे। यह ट्रेन रात में पहुंचती है। इसकी वजह से यात्रियों को स्टेशन पर रात गुजारनी पड़ती है। अगर यह ट्रेन आजमगढ़ में शाम 6 तक पहुंचे, तो यात्रियों को सुविधा होगी। इसीलिए रेल मंत्री से यह मांग करेंगे कि वह ट्रेन के समय बदलाव करें और प्रवासी पूर्वांचलवासियों को राहत प्रदान करें।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिवसेना का निशाना- झारखंड भी गंवा दिया, अब कई राज्य बीजेपी मुक्त

मुंबई। झारखंड विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार पर शिवसेना ने उस पर तीखा तंज कसा है। शिवसेना ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी के नेता कहते थे कांग्रेस मुक्त हिंदुस्तान, लेकिन अब कई राज्य बीजेपी मुक्त हो गए हैं। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा है कि झारखंड गंवा दिया, इस पर विचार करने की उनकी मानसिकता नहीं है क्योंकि बीजेपी ने जनता को हल्के में लिया था।

सामना के संपादकीय में लिखा है, 'पहले महाराष्ट्र गया और अब झारखंड गया। बीजेपी ने एक और राज्य गंवा दिया है। प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और गृहमंत्री (अमित शाह) सहित पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल को वहां लगाने के बावजूद बीजेपी झारखंड में नहीं जीत पाई। झारखंड में कांग्रेस-आरजेडी के समर्थन से झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार आ रही है। ये बीजेपी के लिए धक्कादायक है।'

संपादकीय में आगे लिखा है, 'बीजेपी के नेता कहते कांग्रेसमुक्त हिंदुस्तान की घोषणा कर रहे थे लेकिन अब कई राज्य बीजेपी मुक्त हो गए हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्य बीजेपी पहले ही गंवा चुकी है।' इसमें आगे लिखा है, '2018 में बीजेपी 75 फीसदी प्रदेशों में सत्तासीन थी अब उसका उतार है और जैसे-तैसे 30 से 35 फीसदी प्रदेशों में बीजेपी की सत्ता है। बीजेपी की घुड़दौड़ कई राज्यों में कमजोर पड़ती गई।'

सामना में लिखा है, '2018 में देश के 22 राज्यों में बीजेपी की सत्ता थी। त्रिपुरा और मिजोरम तक उनके झंडे लहराए लेकिन आज ऐसी स्थिति है कि अगर त्रिपुरा में चुनाव कराए जाएं तो जनता बीजेपी की सत्ता उखाड़ फेकेंगी।'

इसमें लिखा है, 'गृहमंत्री अमित शाह के झारखंड में हुई प्रचार सभाओं के भाषणों को जांचा जाए तो ये साफ होता है कि वहां सीधे-सीधे हिंदू-मुसलमान में मतभेद कराने का प्रयास था। विशेष नागरिकता संशोधन विधेयक के कारण बीजेपी का हिंदू मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, ऐसी उनकी अपेक्षा थी लेकिन झारखंड के श्रमिकों और आदिवासी जनता ने प्रलोभन को नकार दिया।'

सामना में लिखा है कि आदिवासी समाज ने बीजेपी को मतदान नहीं किया। लोग अगर ठान लें तो वे सत्ता, दबाव और आर्थिक आतंकवाद की परवाह नहीं करते। अपने मन के अनुसार बदलाव लाकर रहते हैं। महाराष्ट्र में यही हुआ। बीजेपी एक के बाद एक राज्य गंवाती जा रही है। अब झारखंड भी गंवा दिया, ऐसा क्यों? इस पर विचार करने की उनकी मानसिकता नहीं है। जनता को हल्के में लेंगे तो और क्या होगा।

उद्धव के बारे में एफबी पोस्ट करना पड़ा भारी, शिवसैनिकों ने मुंडवा दिया आधा सिर

मुंबई। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में पोस्ट लिखना मुंबई के वडाला में रहने वाले एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। उद्धव ठाकरे के बारे में फेसबुक पोस्ट लिखने से गुस्साए शिवसैनिकों ने वडाला टीटी के शांति नगर निवासी हीरामणि तिवारी के साथ न सिर्फ बदसलूकी की, बल्कि आधे सिर का सरेआम मुंडन कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वडाला टीटी पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि तिवारी की शिकायत पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने में जुटी है, जबकि दूसरे पक्ष को कानून व्यवस्था हाथ में नहीं लेने की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। साथ ही, तिवारी को भी नोटिस जारी कर किसी तरह की हिंसात्मक गतिविधि नहीं करने की चेतावनी दी गई है। मुंबई पुलिस के प्रवक्ता डीसीपी प्रणय अशोक ने बताया कि वडाला टीटी पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, घटना की जांच जारी है।

तिवारी के अनुसार, उसने फेसबुक पर 15 दिसंबर को जामिया मिलिया इस्लामिया में हुए हिंसात्मक प्रदर्शन के मद्देनजर सीएम उद्धव ठाकरे के बयान पर फेसबुक पेज पर एक टिप्पणी की थी। इससे शिवसैनिक नाराज हो गए और उन्होंने सोमवार दोपहर उसे घर से बुलाकर मारपीट और गाली-गलौज की। सिर के आधे हिस्से का मुंडन कर दिया। आरोपियों में स्थानीय शिवसेना का शाखा प्रमुख और उसके 2-3 साथी थे। वडाला टीटी पुलिस दोनों पक्षों के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

एसआरए घोटाले में सरकार और ईडी को नोटिस

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 22 हजार करोड़ रुपये के झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना में दो निजी कंपनियों द्वारा कथित तौर पर धोखाधड़ी के मामले में राज्य सरकार और प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने याचिका दायर कर हाई कोर्ट से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। इस मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी।

इमरान यूसुफ खान की याचिका पर न्यायमूर्ति बी. पी. धर्माधिकारी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार, ईडी, झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) और निजी कंपनियों सहित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ओंकार ग्रुप ऑफ कंपनीज और गोल्डन ग्रुप ऑफ कंपनीज ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाए। इसके बाद झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) से मिलीभगत कर आशय पत्र (एलओआई) हासिल कर लिया।

भिवंडी में उअअ के विरोध में 12 घंटे बंद रहे ऑटो रिक्शा

मुंबई। एनआरसी एवं सीएए का विरोध करने के लिए भिवंडी ऑटो रिक्शा चालक-मालक महासंघ ने सोमवार को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक 12 घंटे के लिए बंद का आवाहन किया था। इसमें शहर के 19 ऑटो रिक्शा संगठनों के शामिल होने के कारण लगभग 80 प्रतिशत ऑटो रिक्शा सुबह से बंद रहे। इस वजह से स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों सहित अन्य कामों के लिए निकले लोगों को भारी परेशानी हुई।

दूसरी तरफ, महासंघ ने स्कूली बच्चों, मरीजों एवं वृद्धों के लिए सहूलियत दी थी। लेकिन, शेयर पर चलने वाले ऑटो रिक्शा नहीं चले। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि ऑटो रिक्शा के इस आंदोलन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी और पुलिस का सहयोग करने का अनुरोध डीसीपी राजकुमार शिंदे ने ऑटो रिक्शा संगठनों से किया था। लेकिन, संगठनों के पदाधिकारियों ने इस कानून को हिंदू-मुस्लिम में भेदभाव करने वाला और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताते हुए आंदोलन किया।

महासंघ का नेतृत्व करने वाले सुनील चव्हाण ने बताया कि इस बंद के माध्यम शहरवासियों को तकलीफ देना महासंघ का उद्देश्य नहीं है। सिर्फ केंद्र सरकार के इस कानून का विरोध करने के लिए आंदोलन किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा चालक-मालक महासंघ ने स्व. आनंद दिघे चौक पर आयोजित रास्ता रोको आंदोलन पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे के अनुरोध पर रद्द कर दिया गया था। ऑटो रिक्शा महासंघ के एक शिष्टमंडल ने उप विभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन देकर उअअ रद्द करने की मांग की। ऑटो रिक्शा संगठनों के इस आंदोलन को लेकर पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे ने शहर में पुलिस की कड़ी व्यवस्था की थी। रिक्शा स्टैंडों सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिसबल तैनात कर दिया गया था। ऑटो रिक्शा चालक मालक महासंघ के इस आंदोलन को समर्थन देने के लिए भिवंडी शहर जिला समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अरफात शेख भी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए थे। उन्होंने रिक्शा संगठनों के पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि एनआरसी का विरोध करने के लिए जब भी उन्हें बुलाया जाएगा, सपा जरूर आएगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिवसेना ने सामना में लिखा- कांग्रेस मुक्त हिंदुस्तान की घोषणा कर रहे थे, अब भाजपा मुक्त हो गया

मुंबई। झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली करारी हार पर शिवसेना ने तंज किया है। पार्टी के मुखपत्र सामना की संपादकीय में शिवसेना ने लिखा है कि भाजपा के नेता कांग्रेस मुक्त हिंदुस्तान की घोषणा कर रहे थे, लेकिन अब कई राज्य भाजपा मुक्त हो गए हैं। भाजपा के हाथ से पहले महाराष्ट्र गया और अब झारखंड भी निकल गया। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सहित पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल को प्रचार में लगाने के बावजूद भाजपा झारखंड में नहीं जीत पाई। सामना में लिखा, अब कई राज्य भाजपा मुक्त हो गए हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्य भाजपा पहले ही गंवा चुकी थी। 2018 में भाजपा 75% प्रदेशों में सत्तासीन थी, लेकिन अब 30-35% प्रदेशों में सिमट चुकी है। भाजपा की घुड़दौड़ कई राज्यों में कमजोर पड़ती गई। यह भाजपा के लिए धक्का है।

पूर्वोत्तर राज्यों में त्रिपुरा और मिजोरम तक भाजपा के झंडे लहराए। लेकिन आज ऐसी स्थिति है कि अगर त्रिपुरा में चुनाव कराए जाएं तो जनता भाजपा की सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। नागरिकता संशोधन कानून के मुद्दे पर सबसे ज्यादा हिंसा त्रिपुरा में हुई। भाजपा सरकार उसे रोकने में असफल साबित हुई। ऐसा पूरे देश में होता दिखाई दे रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड में हुई प्रचार सभाएं कीं। अगर उन सभाओं में दिए गए उनके भाषण की जांच की जाए तो यह बात साफ है कि उन्होंने वहां सीधे हिंदू-मुसलमान में मतभेद कराने की कोशिश की। झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। आदिवासी समाज ने भाजपा को वोट नहीं दिया। भाजपा एक के बाद एक राज्य गंवाती जा रही है। अब झारखंड भी गवां दिया, ऐसा क्यों? इस पर विचार करने की उनकी मानसिकता नहीं है। जनता को हल्के में लेंगे तो और क्या होगा?

उद्धव ठाकरे ने डिटेंशन सेंटर बनाने पर रोक लगाई

नागरिकता कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद निर्णय लेगी सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने साफ कर दिया कि नवी मुंबई में डिटेंशन सेंटर बनाने के फडणवीस सरकार के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकता कानून लागू करने को लेकर अंतिम फैसला 22 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई के बाद लिया जाएगा। सोमवार को मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने मुस्लिम समाज से शांति बनाने रखने की अपील की। साथ ही, यह भी बताया कि राज्य में एनआरसी लागू करने के बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया। अगर एनआरसी लागू भी किया गया तो वह केवल मुस्लिम समाज के लिए नहीं बल्कि सभी धर्मों के लोगों के लिए होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। नागरिकों को सीएए के बारे में कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। राज्य के किसी भी जाति-धर्म के नागरिकों के अधिकारों को धक्का नहीं लगने दिया जाएगा। इस दौरान गृहमंत्री एकनाथ शिंदे, उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, पुलिस महानिदेशक सुबोध जायसवाल, मुंबई पुलिस आयुक्त संजय बर्वे, राकांपा विधायक नवाब मलिक और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गोवंडी में सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए गए तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत

मुंबई। शहर के गोवंडी इलाके में सोमवार शाम को सेप्टिक टैंक साफ करते समय तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, गोवंडी के रहेजा कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित गणेशवाड़ी में सेप्टिक टैंक को साफ करने के लिए तीन सफाईकर्मियों को बुलाया गया था। ये तीनों सेप्टिक टैंक के अंदर तो गए लेकिन बाहर नहीं निकल पाए। पुलिस ने इस मामले में सोसाइटी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जब काफी देर तक तीनों बहार नहीं निकले तो वहां अफरतफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने उन्हें किसी तरह से वहां से बाहर निकाला। अचेत

अवस्था में तीनों को शताब्दी अस्पताल ले जाय गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि इससे पहले नालासोपारा में भी कुछ महीने पहले सेप्टिक टैंक साफ करते समय तीन सफाई कर्मियों की मौत हो गयी थी, उनकी भी मौत दम घुटने के कारण ही हुई थी। एक सार्वजनिक याचिका द्वारा इस बात की जानकारी सामने आई कि, मुंबई और आसपास के जिलों में सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान होने वाली मौतों की संख्या में इजाफा हुआ है। 17 दिसंबर को बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस बारे में राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश सुनाया था।

शिकायत से नाराज प्रधानाचार्य ने छात्रा पर तेजाब फेंका, चार लोगों पर केस दर्ज

मुंबई। 15 साल की छात्रा पर उसके पूर्व प्रधानाचार्य और 3 अन्य कर्मचारियों ने सिर्फ इसलिए तेजाब फेंक दिया, क्योंकि उसने गलत ढंग से सजा देने पर उनकी शिकायत की थी। वारदात के बाद से चारों आरोपी फरार हैं। घटना रविवार सुबह तकरीबन 6 बजे के आसपास की है। उस पर यह हमला तब हुआ, जब वह मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर गई थी। विक्रोली पुलिस में मुताबिक, साल 2018 में छात्रा 9वीं क्लास में पढ़ती थी। एक दिन छात्रा को स्कूल के स्टाफ ने बिना गलती के सजा दे दी, जिसके बाद उसने भांडुप थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इस बात से चारों स्टाफ नराज थे। आरोपियों में हुसैनारा (महिला), जावेद, अमन और हासिम शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी कार में सवार होकर फरार हो गए। फिलहाल उनकी तलाश में एक टीम गठित की गई है। तेजाब फेंकने के बाद घायल छात्रा को पहले घाटकोपर के राजावाड़ी में स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के बाद पीड़िता को डिस्चार्ज कर दिया गया है। इस मामले में मुंबई के विक्रोली पार्क साइट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उद्धव मंत्रिमंडल का पहला विस्तार 30 दिसंबर को

अब माना जा रहा है कि करीब एक महीने बाद सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। मंत्रिपरिषद के विस्तार की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राकांपा प्रमुख शरद पवार ने सोमवार शाम को सह्याद्री अतिथि गृह में लगभग एक घंटे चर्चा की। राकांपा के सूत्रों ने बताया कि बैठक में सहयोगी पार्टी कांग्रेस का कोई नेता मौजूद नहीं था। हालांकि, एक स्थानीय मराठी चैनल द्वारा बैठक के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना नेता और गृहमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद विस्तार के बारे में आधिकारिक सूचना देंगे। इससे पहले राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने पत्रकारों को कहा था कि हम भी उस समय का इंतजार कर रहे हैं, जब हमारे सहयोगियों को शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। राकांपा के मंत्रियों की सूची तैयार किए जाने के सवाल पर पवार ने कहा था कि पार्टी किसी भी चीज को अंतिम रूप देने में अधिक समय नहीं लेती है। अजित पवार दो बार पृथ्वीराज चव्हाण के शासन में उप-मुख्यमंत्री रह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने देवेंद्र फडणवीस के साथ डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली थी। हालांकि, साढ़े तीन दिन के कार्यकाल में वे पदभार ग्रहण नहीं कर सके थे। बाद में हुई राजनीतिक उठापटक के बीच उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

110 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप

2007 में एमडी के पद से रिटायर हुए थे। इसके एक साल बाद उन्होंने कारनेशन की शुरूआत की। यह कंपनी कार एक्सेसरीज और पुरानी कारें बेचती थी। कारनेशन ने 2009 में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 170 करोड़ रुपए का लोन लिया था। 2015 में लोन एनपीए घोषित हो गया। इससे पीएनबी को 110 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस मामले में पीएनबी ने आपराधिक षडयंत्र और धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया। आरोप हैं कि खट्टर और कारनेशन ने लोन के बदले जो एसेट्स गिरवी रखे थे, उन्हें धोखे से बेच दिया। पीएनबी के फॉरेंसिंक ऑडिट में इसका पता चला। एसेट्स बेचकर जो रकम मिली वह बैंक में जमा नहीं करवाई। इस तरह उन्होंने बैंक की राशि का दुरुपयोग किया। पीएनबी ने खट्टर और कारनेशन के अलावा तीन गारंटर कंपनियों- खट्टर ऑटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कारनेशनल रिएलिटी प्राइवेट लिमिटेड और कारनेशन इंश्योरेंस ब्रोकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को भी आरोपी बनाया है। हालांकि, शुरूआती जांच में गारंटर कंपनियों की प्रत्यक्ष भूमिका सामने नहीं आई। सीबीआई आगे की जांच के बाद इन कंपनियों की भूमिका तय करेगी। कारनेशन में अजीम प्रेमजी की निवेश फर्म प्रेमजी इन्वेस्ट ने भी पैसा लगाया था। कई बदलावों के बाद भी कारनेशन सफल नहीं हो पाई। 2017 में पीएनबी ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू की थी। 2018 में कारनेशन ब्रांड और इसके कुछ एसेट्स को महिंद्रा ग्रुप की कार सर्विसिंग वर्कशॉप फर्म महिंद्रा फर्स्ट चॉइस ने खरीद लिया था। पूर्व आईएएस अफसर खट्टर 1999 में मारुति के एमडी बने थे, उस वक्त मारुति सरकारी कंपनी थी। 2002 में मारुति के निजीकरण के वक्त सुजुकी ने खट्टर को एमडी के पद पर ही रखा था। खट्टर ने मारुति को विदेशी कंपनियों से कॉम्पिटीशन में टिके रहने में मदद की थी।

एसआरए घोटाले में सरकार और ईडी को नोटिस

पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार, ईडी, झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) और निजी कंपनियों सहित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ओंकार ग्रुप ऑफ कंपनीज और गोल्डन ग्रुप ऑफ कंपनीज ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाए। इसके बाद झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) से मिलीभगत कर आशय पत्र (एलओआई) हासिल कर लिया। इसी एलओआई के जरिए दोनों कंपनियों ने उपनगर जोगेश्वरी में जमीन के पुनर्विकास के लिए विभिन्न बैंकों से 22 हजार करोड़ रुपये का ऋण हासिल कर लिया। कंपनियों ने अभी तक आवश्यक अनुमतियां हासिल नहीं की है और परियोजना पर काम शुरू हो गया है।

सीएए: 42% आबादी वाली 11 राज्य सरकारें नागरिकता कानून के विरोध में

इनमें से 8 मुख्यमंत्रियों ने कहा- इसे लागू नहीं होने देंगे

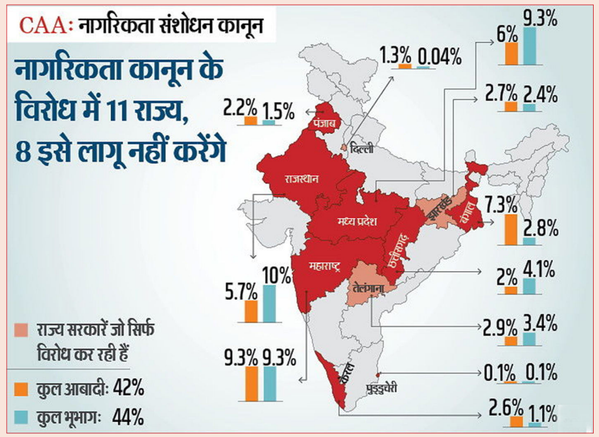

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए का तीन दिन पहले तक 5 मुख्यमंत्री विरोध कर रहे थे, लेकिन अब 3 और राज्य सरकारों ने साफ कर दिया है कि वे इसे लागू नहीं होने देंगी। पहले बंगाल, राजस्थान, केरल, पुडुचेरी और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने ऐसे बयान दिए थे। अब मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सरकार ने भी कह दिया है कि इस कानून को लागू करने का सवाल नहीं उठता। इन 8 राज्यों में देश की 35% आबादी रहती है। वहीं, 3 और राज्य सरकारें ऐसी हैं जो सीएए के विरोध में तो हैं, लेकिन इस कानून को लागू होने देंगी या नहीं, इस पर उनका रुख साफ नहीं है। इन राज्यों को भी जोड़ दिया जाए तो 42% आबादी वाली 11 राज्य सरकारें अब सीएए का विरोध कर रही हैं। सोमवार को दिल्ली के राजघाट पर कांग्रेस के एकता के लिए सत्याग्रह कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के सीएम कमलनाथ ने कहा कि सीएए और एनआरसी को लागू नहीं होने दिया जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी यही बात दोहराई। छत्तीसगढ़ के मंत्री टीएस सिंहदेव ने भी कहा कि उनके राज्य में भी सीएए और एनआरसी लागू नहीं होगा। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बालासाहेब थोरात भी कह चुके हैं कि हम अपने राज्य में इन दोनों योजनाओं को लागू नहीं होने देंगे।

नागरिकता कानून पर बाकी राज्यों का रुख

दिल्ली के मुख्यमंत्री भी नागरिकता कानून का विरोध कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर ये नहीं कहा है कि वे इसे लागू नहीं होने देंगे। मप्र और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारा रुख वही होगा, जो कांग्रेस का होगा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस ने संसद में इस बिल का विरोध किया था, लेकिन इसे लागू करने को लेकर उसका रुख साफ नहीं है। इनके अलावा गैर-भाजपा शासन वाले तमिलनाडु, आंध्र और ओडिशा की सरकारों ने नागरिकता संशोधन विधेयक का संसद में समर्थन किया था।

आधी आबादी वाले राज्यों की सरकारें एनआरसी लागू नहीं करेंगी

दूसरे मुद्दे एनआरसी की बात करें तो इस योजना का खाका तैयार होने से पहले ही 10 मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि वे इसे अपने राज्य में लागू नहीं होने देंगे। इन मुख्यमंत्रियों की 51% आबादी वाले राज्यों में सरकार है।

अन्य राज्यों का रुख

पुडुचेरी में कांग्रेस की सरकार है। यह केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की कांग्रेस सरकार ने नागरिकता कानून का विरोध तो किया है, लेकिन एनआरसी आने की स्थिति में उसे लागू होने देंगे या नहीं, इस पर रुख साफ नहीं किया है।

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर अपडेट करने के लिए 3900 करोड़ रु. का फंड

सरकार ने कहा- कोई दस्तावेज नहीं देना होगा

केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) अपडेट करने को मंजूरी दे दी है। एनपीआर अपडेशन के लिए कैबिनेट ने 3900 करोड़ रुपए के फंड आवंटन को भी स्वीकृति दी है। इसमें देश के नागरिकों का डाटा होगा। अगले साल अप्रैल से एनपीआर अपडेट करने का काम शुरू किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया कि एनपीआर अपडेशन के दौरान व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी को ही सही माना जाएगा, उसे कोई दस्तावेज नहीं देना होगा।

1. क्या पहली बार जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) लाया जा रहा है?

नहीं, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में इसे शुरू किया गया। अब केवल इसे अपडेट किया जा रहा है। 2011 की जनगणना के लिए 2010 में घर-घर जाने के दौरान ही एनपीआर के लिए जानकारी इकट्ठा की गई थी। इस डाटा को 2015 में घर-घर सर्वे करके अपडेट किया गया था। इस जानकारी का डिजिटलाइजेशन भी किया गया।

2. एनपीआर के लिए आंकड़े कब और कहां से इकट्ठा किए जाएंगे?

रजिस्ट्रार जनरल और सेंसस (जनगणना) कमिश्नर के मुताबिक, असम को छोड़कर देश की सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अप्रैल से सितंबर 2020 तक जनगणना के आंकड़े जुटाए जाएंगे। इसी दौरान एनपीआर को भी अपडेट किया जाएगा। इसके लिए इसी साल अगस्त में नोटिफिकेशन भी जारी किया गया था।

3. एनपीआर क्या है और किसके लिए है?

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) देश के सभी स्थानीय निवासियों का ब्यौरा है। स्थानीय स्तर का अर्थ गांव, कस्बा, जिला से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर डाटाबेस तैयार करना है। इसे 'नागरिकता कानून 1955' और 'नागरिकता पंजीयन व राष्ट्रीय पहचान पत्र आवंटन नियम, 2003' के मुताबिक तैयार किया जाता है। देश के हर स्थानीय निवासी को एनपीआर में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। अगर कोई बाहरी (विदेशी) व्यक्ति देश के किसी हिस्से में छह महीने से ज्यादा समय से रह रहा है, तो उसका ब्योरा भी एनपीआर में दर्ज होगा।

4. एनपीआर, एनआरसी और सीएए में क्या फर्क है?

एनपीआर (राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर): इसका इस्तेमाल सरकार अपनी योजनाओं को लागू करने के लिए करती है। लोगों के बायोमेट्रिक डाटा के जरिए योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान करने में मदद मिलती है। अगर कोई बाहरी व्यक्ति देश के किसी हिस्से में छह महीने से ज्यादा समय से रह रहा है, तो उसका ब्योरा भी एनपीआर में दर्ज किया जाता है। एनपीआर में लोगों द्वारा दी गई सूचना को ही सही माना जाता है। यह नागरिकता का प्रमाण नहीं होता।

एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर): इसके जरिए देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों की पहचान की जाती है। सरकार इसके लिए सूचना जारी करके किसी भी क्षेत्र में रहने वाले लोगों से उनकी पहचान के वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहती है। इन दस्तावेजों का परीक्षण किया जाता है। इसके बाद वैध नागरिकों की सूची प्रकाशित की जाती है। इसमें दावे-आपत्ति का प्रावधान भी होता है। इसके बाद नागरिकता की अंतिम सूची जारी की जाती है। इस सूची में शामिल लोगों को ही राज्य या देश का नागरिक माना जाता है। हाल ही में असम में एनआरसी लागू की गई है।

सीएए (नागरिकता संशोधन कानून): नए कानून के तहत पाक, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना के कारण आए हिंदू, ईसाई, सिख, पारसी, जैन और बौद्ध धर्म के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। जो 31 दिसंबर 2014 से पहले आ गए हैं, उन्हें नागरिकता मिलेगी। उन्हें संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकार हासिल होंगे। सीएए सहित कोई भी कानून इन अधिकारों को नहीं छीन सकता। सीएए से मुस्लिम भी प्रभावित नहीं होंगे। किसी भी देश या धर्म का नागरिक भारत के नागरिकता कानून 1955 की धारा 6 के तहत आवेदन कर सकता है। मौजूदा संशोधन उसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करता है।

5. एनपीआर लाने का उद्देश्य क्या है?

एनपीआर का उद्देश्य देश के हर स्थानीय निवासी की पहचान का संपूर्ण डाटाबेस तैयार करना है। इसमें उसका परिचय और बायोमेट्रिक ब्यौरा शामिल रहेगा। सरल शब्दों में यह देश के हर नागरिक की जानकारी को एक जगह इकट्ठा करने का काम है।

6. एनपीआर में कौन सी जानकारी ली जाती है?

सरकारी कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों से उनके बारे में जानकारी लेते हैं। हर स्थानीय निवासी से नाम, माता-पिता, लिंग, वैवाहिक स्थिति, पति/पत्नी का नाम, घर के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि, जन्मस्थान, राष्ट्रीयता, वर्तमान पता, निवास की अवधि, शैक्षणिक योग्यता, व्यवसाय की जानकारी मांगी जाती है। इसे नोट करके उसकी रसीद भी दी जाती है।

7. एनपीआर के मुताबिक स्थानीय निवासी कौन है?

जनसंख्या रजिस्टर में शामिल करने के लिए स्थानीय निवासी का अर्थ किसी स्थान पर 6 महीनों या उससे ज्यादा समय से रह रहा व्यक्ति है। उस स्थान पर अगले 6 महीनों या उससे ज्यादा वक्त तक उसी स्थान पर रहने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को भी स्थानीय निवासी माना जाएगा। इसमें लोगों द्वारा दी गई सूचना को ही दर्ज किया जाएगा।

'अंधे' कुएं में यह मौत का सिलसिला कब रुकेगा?

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के गोवंडी इलाके में अंधे कुएं (सेप्टिक टैंक) में उतरे तीन मजदूर दम घुटने से मर गए। सब जानते है अंधे कुएं (सेप्टिक टैंक) में उतरना खतरनाक व जोखिमभरा है पर आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति अपने और अपने परिवार को दो वक्त की रोटी देने के लिए जोखिमभरा कम भी करने को तैयार हो जाते है। सेप्टिक टैंक में होने वाली यह पहली मौत नहीं है। अब तक सेप्टिक टैंक में सफाई के लिए उतरे 776 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके पहले देश की राजधानी दिल्ली के लाजपत नगर में सीवर की सफाई के दौरान तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। और भी पहले दिल्ली में ही वॉटर हॉर्वेस्टिंग के लिए बनाए गए एक गड्ढे से निकली जहरीली गैसों ने चार मजदूरों की जान ली थी। इसी साल मार्च के दौरान तमिलनाडु के कड्डलोर जिले में तीन मजदूरों को एक सीवर टैंक की सफाई में लगाया गया था और उनकी भी दम घुटने से मौत हो गई थी। इसी महीने में कुछ ऐसा ही काम करते हुए बेंगलुरु में तीन मजदूर मारे गए थे। इससे पहले फरवरी में मुंबई में सीवर की सफाई करते हुए तीन लोगों की जान चली गई थी। ये आंकड़े सिर्फ इस साल के हैं। इन आंकड़ों के अनुसार मेनहोल दशकों से सीवेज सफाईकर्मियों के लिए कब्रगाह साबित हो रहे हैं। केंद्र सरकार भले ही स्वच्छ भारत अभियान पूरे जोर-शोर से चला रही हो, लेकिन इससे इन सफाईकर्मियों के काम का जोखिम जरा भी कम नहीं हुआ है। वहीं सबसे शर्मनाक बात यह है कि कामगारों को हाथ से मैला ढोने का साफ करने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) के काम पर लगाने की रोकथाम और ऐसे लोगों के पुनर्वास से जुड़ा कानून (पीईएमएसआर एक्ट-2013) होने के बावजूद नगरपालिकाएं और सफाई का ठेका लेने वाली एजेंसियां इन्हें कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं करवातीं। जबकि सीवर या ऐसी ही गंदगी भरी जगहों में इन्हें कार्बन डाई-ऑक्साइड, मीथेन, हाइड्रोजन सल्फाइड और कार्बन मोनो-ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों के बीच में ही काम करना पड़ता है। कानून यह कहता है कि हर स्थानीय निकाय या एजेंसी द्वारा सीवर, सेप्टिक टैंक या ऐसे ही दूसरी जगहों की सफाई के लिए सभी जरूरी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि हाथ से मैला ढोने या उसकी सफाई के तरीकों का उन्मूलन किया जा सके। हालांकि पहली बार सन 1986 में इस समस्या को गंभीरता से लिया गया। भारत सरकार द एम्पलॉयमेंट ऑफ मैन्युअल स्कैवेंजर्स एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ड्राय लैट्रिन्स नामक एक एक्ट लेकर आई। इसके तहत गंदगी निकालने के विकल्पों की तलाश और इसे बैन करने पर काम होना था। मगर अफसोस यह एक्ट लागू नहीं हो पाया। इसी क्रम में एक लंबे इंतजार के बाद 1993 में एक नया कानून आया। इससे लोगों में उम्मीद जगी, लगा हालात सुधरेंगे। मगर अफसोस, कुछ खास नहीं बदला। 2011 में हुई जनगणना के मुताबिक भारत में करीब 1.6 लाख लोग नालों व सीवेज टैंकों की सफाई के काम में लगे हैं। इस आंकड़े ने 1993 में बने कानून पर सवाल खड़े किए। लिहाजा, 2013 में इस कानून को अपडेट किया गया। इसके तहत मैला उठाना या उठवाना जुर्म हो गया। सजा और जुर्माना भी तय हो गया। लगा अच्छे दिन आ गए, लेकिन आए नहीं। सूरत यह है कि 2019 में भी बिना किसी सुरक्षा के सफाई कर्मियों का सीवर में उतरना जारी है। यही कारण है कि सीवर के अंदर मल में उनकी मौत की खबरें आम हो चली हैं।

एनआरसी यानी नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन

- एनआरसी भारत के सभी नागरिकों के लिए होगा। यह सिटीजन जिस्टर होगा, जिसमें देश के हर नागरिक को अपना नाम दर्ज कराना होगा। सरकार का दावा है कि यह आधार कार्ड या किसी दूसरे पहचान पत्र जैसा ही होगा। नागरिकता के रजिस्टर में नाम दर्ज कराने के लिए आपको अपना कोई भी पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज देना होगा, जैसा कि आप आधार कार्ड या मतदाता सूची के लिए देते हैं।
- सरकार ने नागरिकता कानून को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद 13 सवाल-जवाब जारी किए थे। इसमें से 10 सवाल एनआरसी पर थे। इसमें सरकार ने कहा है कि देश के लिए एनआरसी के नियम और प्रक्रिया तय होने अभी बाकी हैं। असम में जो प्रक्रिया चल रही है, वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश और असम समझौते के तहत की गई है।
- भारतीय नागरिकता कानून 1955 में लागू हुआ था, जिसमें बताया गया है कि किसी विदेशी नागरिक को किन शर्तों के आधार पर भारत की नागरिकता दी जाएगी। इस कानून में हाल ही में संशोधन किया गया। इसके बाद इसका नाम बदलकर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए हो गया। इसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आने वाले हिंदू, सिख, जैन, पारसी, बौद्ध और ईसाई धर्म के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है। इन तीन देशों से आने वाले इन 6 धर्मों के शरणार्थियों को भारतीय नागरिक बनने के लिए 11 साल की जगह 5 साल रहना जरूरी होगा।
- इस बारे में संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप कहते हैं कि संविधान के अनुच्छेद 11 के तहत नागरिकता पर कानून बनाना पूरी तरह से संसद के कार्यक्षेत्र व अधिकार क्षेत्र में आता है। राज्यों को इस मामले में कोई अधिकार नहीं है। अगर ये इसे अपने यहां लागू नहीं करते हैं तो यह संविधान का उल्लंघन होगा।

सरकार के मुख्य सैन्य सलाहकार के तौर पर काम करेंगे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, 4 स्टार जनरल का दर्जा मिलेगा

संवाददाता

केंद्र सरकार ने देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के लिए सेवा शर्तें जारी कर दीं। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में तय किया गया कि सीडीएस का पद 4 स्टार जनरल के बराबर होगा। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि सीडीएस सरकार के प्रधान सैन्य सलाहकार होंगे। तीनों सेनाओं के प्रमुख पहले की तरह अपने क्षेत्र से संबंधित मामलों में रक्षा मंत्री को सलाह देते रहेंगे। सीडीएस तीनों सेनाओं से संबंधित मुद्दों पर सरकार और सैन्य बलों के बीच संपर्क सेतु की तरह काम करेंगे। इस पद पर नियुक्त किए जाने वाले अधिकारी पर, सेना के तीनों अंगों के बीच काम-काज में समन्वय स्थापित करने

और वित्तीय मामलों में सलाह देने की जिम्मेदारी होगी। सीडीएस के नेतृत्व में तीनों सेनाओं के संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल के लिए सैन्य कमांड का पुनर्गठन किया जा सकेगा। इसके लिए वह किसी अभियान में सेना के अलग-अलग अंगों को शामिल करना और संयुक्त ऑपरेशन चलाने का फैसला ले सकते हैं।

सीडीएस के बाद कोई सरकारी पद नहीं

सीडीएस बनने वाले व्यक्ति को कार्यकाल पूरा होने के बाद कोई सरकारी लेने की पात्रता नहीं होगी। पद छोड़ने के बाद 5 साल की अवधि में वह सरकार की इजाजत के बगैर किसी निजी रोजगार को भी हासिल नहीं कर सकेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के भाषण में सीडीएस का पद बनाने की घोषणा की थी।

ऐसा हो सकता है ओहदा और जिम्मेदारी:

सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट कमेटी में सीडीएस सैन्य बलों की तरफ से सलाह देने का काम करेंगे। हालांकि, सेनाओं का ऑपरेशनल दायित्व तीनों सेना प्रमुखों के पास ही रहेगा। उनका पद तीनों सेना प्रमुखों से ऊपर और कैबिनेट सचिव से नीचे रह सकता है। तकनीकी रूप से सरकार के प्रोटोकॉल में सीडीएस का पद 11-ए पर आता है, जबकि सेना प्रमुख और रक्षा सचिव का पद क्रमांक 13 है। सीडीएस का पद इससे ऊपर होने पर वह सीधे पीएमओ को रिपोर्ट कर सकेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मथुरा में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में सोमवार शाम पीलीभीत-भरतपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मथुरा-राया के बीच टैंकर व टैम्पो-रिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में रिक्शा में बैठी नौ सवारियों में से चालक सहित छह लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि सामने से टकराने के बाद टैम्पो-रिक्शा तारकोल टैंकर के बम्पर में फंसकर करीब एक फर्लांग तक घिसटता चला गया। चालक व दो सवारियों की तो मौके पर ही मौत हो गई जबकि,

महिला व दो अन्य लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एसपी (देहात) आदित्य कुमार शुक्ला ने बताया, प्रत्यक्षदर्शियों व घायलों के मुताबिक टैम्पो-रिक्शा चालक ने बिना साइड मिले आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। लेकिन वह सामने से आ रहे टैंकर का खतरा न भांप सका और सीधे उसमें जा फंसा। राया थाना प्रभारी चतर सिंह राजौरा ने बताया, भाड़े पर थ्री व्हीलर चलाने वाला माना सिंह मीणा (50) राया कस्बे से नौ सवारियों को लेकर चला था। मथुरा रोड पर जैसे ही वह मल्है गांव के पेट्रोल पंप पर पहुंचा। सीधे टैंकर से टकरा गया। इस हादसे में आधा दर्जन लोग मारे गए और तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महावन क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया, मृतकों में से तीन की पहचान कर ली गई है जिनमें चालक के अलावा भरतपुर निवासी शेर सिंह (42) व दिल्ली का विजय सिंह पुत्र राजकुमार निवासी सौंख अड्डा, मथुरा व श्याम पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी साकेत, नई दिल्ली शामिल हैं। शेष तीनों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

नागरिकता कानूनः यूपी में शरणार्थियों के लिए पंजीकरण शिविर लगाएगी बीजेपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी गुरुवार से भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले शरणार्थियों के लिए पंजीकरण अभियान शुरू करेगी। नागरिकता कानून को लेकर फैलाई जा रही गलत जानकारी को दूर करने के मद्देनजर भी पार्टी एक अभियान शुरू करने जा रही है।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि नागरिकता कानून को लेकर विपक्ष बेबुनियाद सूचनाओं का प्रसार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन्हीं तत्वों ने राज्य में इस मुद्दे पर हाल ही में हुई हिंसा को हवा दी थी।

सिंह ने कहा, 'नागरिकता कानून के बारे में लोगों को सही जानकारी देने के लिए 26 दिसंबर से 25 जनवरी तक पूरे राज्य में हमारे अभियान का आयोजन किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता दूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में जाकर लोगों से मिलेंगे और अगर कोई दुविधा है तो उसे दूर करेंगे।'

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'यह कानून वास्तव में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए है। हम उन शरणार्थियों को भी पंजीकृत करेंगे जो भारतीय नागरिकता को प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षारत हैं।'

सिंह ने कहा कि उनकि पार्टी मुसलमानों से भी मिलेगी और उन्हें आश्वस्त करेगी कि वे इस कानून से प्रभावित नहीं होंगे।

पक्षपात को अब और बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगीः शाजिया इल्मी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली बीजेपी में आपसी खींचतान का एक और मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी से बीजेपी में शामिल हुई शाजिया इल्मी ने उनके साथ भेदभाव और पक्षपात किए जाने का आरोप लगाया है। शाजिया ने साफ शब्दों में पार्टी नेताओं से कहा है कि दुर्भावना के साथ लगातार किए जा रहे इस पक्षपात को अब वह और बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जब इस बारे में पता चला, तो उन्होंने शाजिया से बात करके उनके प्रति सहानुभूति जताई और उनकी शिकायतों का संज्ञान लेते हुए इस पूरे मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया।

सूत्रों ने बताया कि वैसे तो शाजिया काफी समय से दिल्ली बीजेपी के कुछ पदाधिकारियों के रवैये से नाराज चल रही थीं, मगर उनके गुस्से का गुबार रविवार को तब फूट पड़ा, जब रामलीला मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली का पास उनके हाथों में आया। दिल्ली

बीजेपी में उपाध्यक्ष और प्रवक्ता के साथ-साथ नैशनल मीडिया पैनलिस्ट की हैसियत से काम कर रहीं शाजिया को छोड़कर दिल्ली बीजेपी के तमाम दूसरे उपाध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों के मंच पर जाने के पास बनवाए गए थे, लेकिन शाजिया का मंच पर जाने का पास नहीं बनाया गया। ऐसे में रैली के दौरान उन्हें मीडिया एनक्लोजर में बैठना पड़ा। शाजिया ने उस वक्त तो कुछ नहीं कहा, लेकिन बाद में दिल्ली बीजेपी के पदाधिकारियों के ऑफिशल वॉट्सऐप ग्रुप में खुलकर अपनी नाराजगी जताई।

सूत्रों के अनुसार, शाजिया ने दुख जताते हुए ग्रुप में लिखा कि हर बार की तरह इस बार भी सारे उपाध्यक्षों को छोड़कर सिर्फ उन्हीं का एसपीजी क्लियरेंस वाला पास नहीं बनवाकर उन्हें सरेआम अपमानित किया गया है। वहीं एक अन्य महिला प्रवक्ता ने भी इस बात पर नाराजगी जताई कि उन्हें मीडिया एनक्लोजर का पास दिया गया, जबकि नए नवेले कुछ अन्य प्रवक्ताओं के ऑल एरिया एंट्री पास बनाए गए थे। शाजिया ने साफ लिखा कि उनके साथ बहुत पक्षपात हो चुका है, मगर अब हर बार वह इसे बर्दाश्त नहीं करने वाली हैं।

अब क्रिसमस भी बिना इंटरनेट के बीतेगा, लखनऊ में बढ़ाई गई इंटरनेट की पाबंदी

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में मोबाइल इंटरनेट बैन की पाबंदी एक बार फिर बढ़ा दी गई। अब लखनऊ में इंटरनेट सेवा 25 दिसंबर को रात 8 बजे तक बंद रहेगी। इससे पहले सोमवार रात 12 बजे से कई ऑपरेटर ने इंटरनेट सेवा शुरू कर दी थी लेकिन मंगलवार सुबह मोबाइल से इंटरनेट नेटवर्क एक बार फिर गायब हो गए तो लोग मायूस होने लगे। लखनऊ के अलावा बुलंदशहर, संभल, मुजफ्फरनगर में भी आज सुबह 10 बजे 25 दिसंबर की रात 8 बजे तक मोबाइल इंटरनेट बंद रहेगा। वहीं कानपुर में इंटरनेट सेवाएं शुरू हो गई हैं, हालांकि स्कूल-कॉलेज फिलहाल बंद हैं।

लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने नोटिफेकिशन जारी करके बताया कि लखनऊ में मोबाइल इंटरनेट सेवा 25 दिसंबर को रात 8 बजे तक बंद रहेगी। राजधानी में पांच दिनों से बंद मोबाइल इंटरनेट व एसएमएस सर्विस सोमवार को भी शुरू नहीं हुई। सोमवार रात करीब 11.30 बजे ऑपरेटरों को बुधवार रात 8 बजे तक प्रतिबंध बढ़ाने का मौखिक आदेश दे दिया गया। ऐसे में क्रिसमस पर सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। मोबाइल इंटरनेट बंद होने की वजह से लोगों को काफी मुश्किलें आ रही हैं। बता दें कि बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की सुविधाएं जारी हैं।

मोबाइल ऐप से बनने वाले टिकटों की रफ्तार थम गई है। 19 से 23 दिसंबर के बीच महज 12 हजार जनरल टिकट बन सके हैं। आईआरसीटीसी की वेबसाइट से भी टिकट कम बन रहे हैं। ऐसे में लोग काउंटर जाने को मजबूर हैं।

शहर में चार दिन से इंटरनेट बंद होने से हजारों बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जो लोग घर बैठे बिजली बिल जमा कर लेते थे, उन्हें भी इसके लिए उपकेंद्रों पर कतार में लगना पड़ रहा है। यही नहीं, मेसेज सुविधा बंद रहने के दौरान बिलिंग भी प्रभावित है।

किराड़ी आगः बाहर से कमरे की कुंडी लगी है, जल्दी आओ...नहीं तो हम मर जाएंगे

नई दिल्ली। भैया घर में आग लग गई है...दरवाजा नहीं खुल रहा है। ऐसा लग रहा है बाहर से किसी ने कमरे की कुंडी लगा दी है। धुएं से सभी का दम घुट रहा है। जल्दी आ जाओ, दरवाजा खोलो। नहीं तो हम सब मर जाएंगे। ये बात उदयकांत ने आखिरी समय में अपने भाई विजय कुमार चौधरी को फोन कर बताई।

एनबीटी से बातचीत में विजय ने बताया कि वह एक कंपनी में नाइट शिफ्ट में काम करते हैं। रविवार रात वह कंपनी में ही थे। करीब 12:30 बजे उदयकांत ने कॉल कर आग लगने की जानकारी दी। काफी घबराए हुए थे। उन्होंने कहा, 'भाई जल्दी से कुंडी खुलवा दो, नहीं तो हम सब मर

जाएंगे।' विजय ने बताया कि कॉल कटते ही मैंने गोपाल (भांजा) के अलावा पड़ोसी संगम को कॉल कर कमरे की कुंडी बाहर से खोलने की बात कही। कॉल पर कई लोग पहुंचे भी, लेकिन मेन गेट बंद होने के कारण कोई उनकी मदद नहीं कर सका।

विजय ने आशंका जाहिर करते हुए कहा कि एक साजिश के तहत भाई के परिवार को मौत के घाट उतार दिया गया है। विजय ने सवाल किया कि जिस कमरे में पूरा परिवार सो रहा था, आखिर बाहर से कमरे की कुंडी किसने लगाई? अगर कुंडी नहीं लगी होती तो मेरा भाई और उनका परिवार आज जिंदा होता।

विजय ने बताया कि उदयकांत इस मकान की पहली मंजिल पर करीब 3 सालों से रह रहे थे। उदयकांत ने सिक्यॉरिटी के तौर पर मकान मालिक को 2.5 लाख रुपये दिए थे। भाई बार-बार मकान मालिक से रुपये की डिमांड कर रहे थे। आज-कल में मकान मालिक को ये पैसे लौटाने थे। विजय ने आरोप लगाया है कि इस पैसे के कारण ही भाई और उनके परिवार को एक साजिश के तहत मौत की नींद सुला दिया गया।

उदयकांत के परिवार ने इस कांड में उच्चस्तरीय जांच की मांग कि है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आखिरी समय में उदय से जो बात हुई है, उससे ये साफ पता चलता है कि उदय को कमरे में बंद कर एक षड्यंत्र के तहत उनकी जान ली गई है।

यहां पहली बार सुनाई गई थी महाभारत की कथा, आप भी घूम के आएं जरा

यहां पहली बार सुनाई गई थी महाभारत की कथा

वैसे तो इसे भारत के आखिरी गांव 'माना' के नाम से जाना जाता है। लेकिन इसके और भी पहलू हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी संस्कृति पर गर्व होगा। साथ ही इसे करीब से देखने और जानने का मन करेगा। जी हां 'माना' एक ऐसा गावं हैं जहां हर कदम पर रहस्य ही रहस्य हैं। अगर आप भी ऐसी ही रहस्यमयी जगह की ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो यह आपके लिए बेस्ट जगह हो सकती है।

घाटियों और वादियों से घिरा गांव

घाटियों और वादियों से घिरा माना बेहद खूबसूरत स्थान है। यह उत्तराखंड के चमोली से 3115 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। यही वह जगह है जहां श्रीगणेश जी ने महाकाव्य महाभारत की रचना की थी। यही नहीं महर्षि श्री वेदव्यास जी ने यहीं पर अपने चारों वेदों की रचना की थी।

रोचक इतिहास

माना में स्थापित भीम पुल की भी कहानी रोचक है। कहा जाता है कि इसकी स्थापना पांडव पुत्र भीम ने अपनी पत्नी द्रोपदी के नदी पार करने के लिए की थी। चट्टान पर पैर के निशान भी दिखते हैं। जिसे स्थानीय लोग भीम के पदचिन्ह मानते हैं।

पौराणिक कथाओं में

पौराणिक कथाओं के मताबिक गणेश जी जब महाकाव्य लिख रहे थे तो सरस्वती नदी

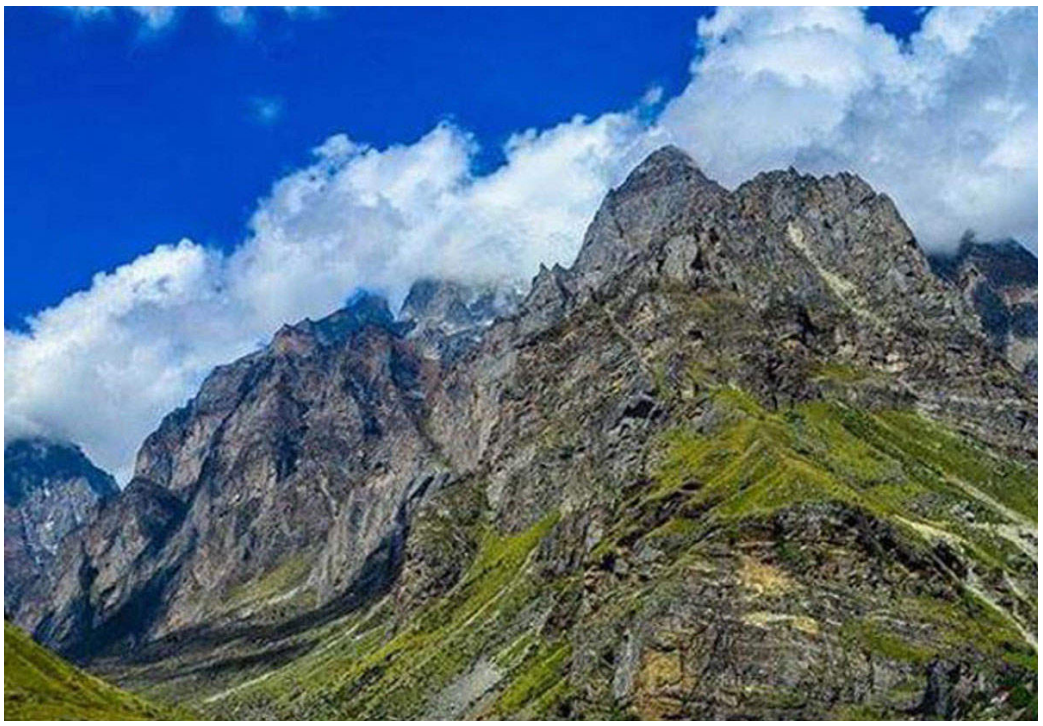

का शोर उन्हें परेशान कर रहा था। तब उन्होंने नाराज होकर सरस्वती नदी को शाप दिया कि वह आगे किसी को भी नजर नहीं आएंगी।

यहीं पर है गुप्त गामिनी

कहा जाता है कि गणेश जी के शाप के चलते ही सरस्वती नदी यहां केवल 100 मीटर तक नजर आती है। इसके बाद वह लुप्त हो जाती है। यही वजह है कि सरस्वती नदी को यहां गुप्त गामिनी या फिर छिपी नदी के नाम से भी जानते हैं।

ऐसे पहुंचे माना गांव

माना गांव जाने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन हरिद्वार है। माना से हरिद्वार की दूरी 275 किलोमीटर है। हरिद्वार से आपको स्थानीय सेवाएं मिल जाती हैं जो माना तक पहुंचाती हैं। इसके अलावा ऋषिकेश से भी एनएच 58 के जरिए माना गांव जाया जा सकता है।

युवक के कान में रह रही थी कॉकरोच की पूरी 'फैमिली', ऐसे सामने आई हकीकत

जी हां। यह खबर आपको अजीब लग रही होगी कि भला कॉकरोच की 'फैमिली' किसी शख्स के कान में कैसे रह रही थी। यदि कॉकरोच उसके कान में थे, तो क्या उसे पता नहीं चला। इन सब सवालों को जानने के लिए पढ़ते हैं यह खबर। चीन में एक युवक सुबह के समय कान में तेज दर्द की शिकायत के साथ जगा, लेकिन जब उसे पता चला कि कॉकरोच ने उसके कान के अंदर घर बना लिया है तो वह स्तब्ध रह गया। फॉक्स न्यूज में छपी खबर के अनुसार, 24 वर्षीय युवक ने अपने परिजनों से कहा कि वे रोशनी की मदद से उसके कान में देखें कि किस कारण से उसे इतनी तेज दर्द हो रही है।

स्थानीय डॉक्टर जॉन्ग यीजिन के अनुसार, युवक ने उनको बताया कि उसके कान में बहुत तेज दर्द हो रहा है, ऐसा लग रहा है जैसे कि उसे कुछ चल रहा है या खरोच रहा है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि उसके कान के अंदर 10 से अधिक बेबी कॉकरोच थे।

डॉक्टर ने बताया कि उस युवक के कान के अंदर मदर कॉकरोच भी थी। हालांकि उन्होंने उन सभी कॉकरोच को उसके कान से बाहर निकाल दिया। उन्होंने युवक को दवा के साथ यह सलाह भी दी कि वह बचा हुआ खाना अपने बिस्तर के पास न रखे। इसके कारण ही यह समस्या आई है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

वृष
जरुरी न हो तो यात्रा व निवेश न करें। मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगी। साथी व सहयोगी पूर्ण मदद करेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता।

मिथुन
आय बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क
संतान की गतिविधियां चिंता का कारण बन सकती हैं। आय व्यय का संतुलन बनाकर कार्य करें। नकारात्मकता को अपने हावी न होने दें।

सिंह
बैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

कन्या
वरिष्ठजनों का साथ हितकारी रहेगा। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से संपर्क हो सकता है। कल्पनाशक्ति का विकास होगा।

तुला
रुके अधूरे कार्य पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। कामकाज में ईमानदारी पसंद करेंगे। समाज के कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे।

वृश्चिक
अचानक विपरीत हुई परिस्थितियों से मन दुखी हो सकता है। पुराने रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। पड़ोसियों से कुछ मतभेद हो सकते हैं।

धनु
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि, भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

मकर
बुद्धि व विवेक से महत्वपूर्ण मसले सुलझाएंगे। कार्य के प्रति आपका दृष्टिकोण रहेगा। धार्मिक कार्यों की तरफ रुझान बढ़ेगा।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत करेंगे। निवेश लाभदायक।

मीन
संतान की ओर से उत्साहवर्धक समाचार मिल सकता है। पिता का प्रेम व सहयोग मिलेगा। आध्यात्म व दर्शन के प्रति रुचि बढ़ेगी। यात्रा टालें।

आप जानते हैं पूरी दुनिया में मशहूर भारत के इन गिरिजाघरों के बारे में!

भारत पूरी दुनिया में खूबसूरत संस्कृति और सभ्यता के लिए जाना जाता है। इसके अलावा यहां की बेइंतहा खूबसूरत इमारतें, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और गिरिजाघरों को उनकी बेजोड़ नक्काशियों के लिए भी जाना जाता है। हम आपको यहां क्रिसमस के बेहद खास मौके पर भारत के ऐसे ही शानदार और ऐतिहासिक चर्चों से रूबरू करवा रहे हैं। अगर आप भी इनके आसपास रहते हैं तो क्रिसमस के दिन होने वाली खास प्रेयर में शामिल हो सकते हैं।

सेंट फ्रांसिस चर्च कोची

कोच्चि में स्थापित सेंट फ्रांसिस चर्च भारत का पहला यूरोपियन चर्च है। कहा जाता है कि प्रसिद्ध पुर्तगाली नाविक वास्को डी गामा को इसी चर्च में दफनाया गया था।

सेंट फिलोमेना चर्च मैसूर

तकरीबन 200 साल पहले बना सेंट फिलोमेना चर्च मैसूर में स्थापित है। इसकी निर्माण शैली काफी खूबसूरत है। बता दें कि चर्च को निओ-गोथिक शैली में बनाया गया है।

ऑल सेंट कैथेड्रल इलाहाबाद

इलाहाबाद के ऑल सेंट कैथेड्रल का निम्राण 19वीं शताब्दी में हुआ था। यह अपनी यूरोपीय संरचना के चलते जाना जाता है। यह चर्च काफी बड़ा भी है। यहां पर एक साथ तकरीबन 300 से 400 लोग प्रेयर कर सकते हैं।

परुमला चर्च केरला

केरला में स्थापित परुमला चर्च महान संत ग्रेगरीय गिवरनेस को समर्पित है। कहा जाता है कि उन्हें इसी स्थान पर दफन किया गया था। चर्च की क्षमता की बात करें तो एक साथ 2हजार लोग प्रेयर कर सकते हैं।

रोजरी चर्च मंगलोर

मंगलोर में स्थापित रोजरी चर्च का निर्माण फ्रांसीसियों ने करवाया था। बता दें कि जब भी पानी का स्तर बढ़ता है तो चर्च का आधा हिस्सा पानी में डूब जाता है। केवल चर्च का शिखर ही नजर आता है।

क्राइस्ट चर्च शिमला

शिमला में स्थापित क्राइस्ट चर्च का निर्माण 1857 में हुआ था। इसके अलावा इस चर्च की नक्काशी भी काफी खूबसूरत है। यह चर्च नियो-गोथिक स्टाइल में बना है।

बेसीलिका ऑफ बोम जीसस गोवा

बेसीलिका ऑफ बोम जीसस गोवा का फेमस चर्च है। मान्यता है कि इस चर्च में सेंट फ्रांसिस जेवियर की बॉडी को संग्रहित किया गया है। बता दें कि इस चर्च को विश्व विरासत स्थल के रूप में भी जाना जाता है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, बुधवार
25 दिसंबर, 2019

जुवेंटस को हराकर लाजियो ने जीता सुपर कप, करिश्मा नहीं दिखा पाए रोनाल्डो

रियाद। लाजियो ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फुटबॉल क्लब जुवेंटस को 3-1 से हराकर पांचवीं बार इटालियन सुपर कप अपने नाम किया। लाजियो के मैनेजर सिमोन इंजाघी ने इस जीत के बाद कहा कि हमने इस मुकाबले में विशेष खेल दिखाया। सीरी-ए के मौजूदा सत्र में केवल लाजियो ने ही जुवेंटस को हराया है।

रविवार को खेले गए मुकाबले के 16वें मिनट में लुइस अल्बर्टो के गोल की बदौलत लाजियो ने शुरूआती बढ़त हासिल की। हालांकि हाफ टाइम से ठीक पहले पाउलो डायबाला ने गोल करके जुवेंटस को बराबरी दिलाई। इसके बाद खेल के 73वें मिनट में सेनाड ल्यूलिक ने लाजियो को फिर से बढ़त दिलाई। वहीं इंजुरी टाइम में डेनिलो कटाल्डी ने गोल करके लाजियो की जीत पर मुहर लगा दी।

इंजुरी टाइम में ही जुवेंटस के मिडफील्डर रॉड्रिगो बेंतासुर को रेफरी ने रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया। इस मुकाबले में भारी संख्या में अरबी प्रशंसक रोनाल्डो की वजह से उनकी टीम का समर्थन करने पहुंचे थे। लाजियो ने दो सप्ताह पहले ही 3-1 के स्कोर से जुवेंटस को हराया था। इटालियन सुपर कप मुकाबला सीरी-ए चैंपियन और कोपा इटालियन की विजेता टीमों के बीच खेला जाता है।

इटालियन फुटबॉल लीग सीरी-ए में रविवार को अटलांटा ने एसी मिलान को 5-0 से करारी शिकस्त दी, जहां विजेता टीम की ओर से जोसिप एलिकिक ने दो गोल दागे। 1998 के बाद यह एसी मिलान की

सबसे बड़ी हार है। सात बार के यूरोपियन चैंपियन एसी मिलान के मैनेजर ज्वोनिमिर बोबान ने इसे एक शर्मनाक प्रदर्शन करार दिया।

एसी मिलान के खेल के स्तर को देखकर अटलांटा के प्रशंसकों ने मुकाबले के दौरान सीरी-बी, सीरी-बी कहकर उसके खिलाड़ियों को चिढ़ाया। 21 साल पहले एसी मिलान को रोमा के खिलाफ 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। जोसिप के दो गोल के अलावा अटलांटा की ओर से कप्तान एलेक्जेंड्रो गोमेज, मारियो पासालिक और लुइस म्यूरेल ने भी स्कोर किए। इस जीत के साथ अटलांटा अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

श्रीलंका-ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धोनी को टीम में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए सोमवार को टीम इंडिया का एलान कर दिया गया। नए साल के शुरूआत में ही भारतीय टीम पहले श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज और फिर जनवरी में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी। इसी कड़ी में दिल्ली में सोमवार को चयनकर्ता एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता में हुई आखिरी बैठक में दोनों टीमों के खिलाफ भारतीय टीम का एलान कर दिया गया। टी-20 और वनडे में जहां जसप्रीत बुमराह और शिखर धवन की चोट के बाद वापसी हुई है, वहीं टी-20 सीरीज के लिए रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया।

किन टीम की घोषणा के बाद एक बार फिर से पूर्व कप्तान धोनी का नाम टीम में नहीं होने की वजह से प्रशंसकों को निराशा हाथ लगी और सबने धोनी के बारे में पूछना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर टीम के एलान के बाद हर कोई सिर्फ धोनी के बारे में ही बात करता नजर आया।

बता दें कि धोनी ने जुलाई में इंग्लैंड में हुए वर्ल्ड कप में ही आखिरी बार खेला था, सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद धोनी ने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। इसके बाद से धोनी ने वेस्टइंडीज दौरे पर खुद को अनुपलब्ध बताया और फिर बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ साल के आखिरी सीरीज से भी दूर रहे। हालांकि उम्मीद की जा रही थी कि धोनी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वापसी कर सकते हैं लेकिन एक बार फिर से वे टीम से दूर रहे। इसी के साथ शायद पहली बार ऐसा होगा जब धोनी इतने समय तक टीम से दूर रहेंगे और लगातार छह सीरीज नहीं खेलेंगे। इन सब बातों की वजह से ही क्रिकेट फैंस भी धोनी को लेकर चिंतित हैं और उनके संन्यास पर चर्चा कर रहे हैं।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने पीसीबी प्रमुख पर को लताड़ा, बोले- हम सक्षम हैं, अपना देश देखो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के वाइस प्रेजिडेंट महिम वर्मा ने पीसीबी के अध्यक्ष एहसान मनी के उस बयान का करारा जवाब दिया है, जिसमें पाक बोर्ड प्रमुख ने कहा था कि भारत में उनके देश से अधिक सुरक्षा खतरा है। वर्मा ने कड़े लहजे में कहा कि उन्हें (एहसान मनी) को सबसे पहले अपने देश को देखना चाहिए। बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष एहसान मनी ने यह बयान श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के खत्म होने के बाद सोमवार दिया था।

मनी के बयान पर भड़के महिम ने एएनआई से कहा- हम अपने देश की सुरक्षा करने में सक्षम हैं। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक काफी समय से खराब चल रहे हैं। सीमा पर पाकिस्तान फौज आए दिन सीजफायर का उलंघन करती रहती है। दूसरी ओर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, क्रिकेटर और सरकार की ओर से अक्सर इस तरह की बयानबाजी होती रहती है। मनी ने अपने बयान में कहा था कहा, हमने यह साबित किया कि पाकिस्तान सुरक्षित है, अगर कोई टीम यहां नहीं आ रही है तो उसे साबित करना होगा कि पाकिस्तान असुरक्षित है। आज के समय में पाकिस्तान की तुलना में भारत में सुरक्षा का ज्यादा खतरा है।

रोहित बने वनडे के किंग, कोहली छूटे पीछे

नई दिल्ली। इस साल वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया के 'हिटमैन' रोहित शर्मा का बोलबाला रहा। रोहित ने अपने बल्ले से इतने रन बरसाए कि वनडे क्रिकेट के बादशाह विराट कोहली को भी उन्होंने पीछे छोड़ दिया। 2019 में वर्ल्ड क्रिकेट में रोहित शर्मा के चर्चे रहे। रोहित शर्मा ने 2019 कैलेंडर ईयर में 7 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 1490 रन बनाए। बता दें कि इस साल वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा के बल्ले से 5 शतक निकले थे।

2019 कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा (1490) पहले नंबर पर हैं। विराट कोहली ने 2019 कैलेंडर ईयर में 1377 वनडे रन बनाए हैं। विराट कोहली इस साल सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

विराट कोहली के नाम वनडे इंटरनेशनल में 11609 रनों का रिकॉर्ड है, जिसमें 43 शतक और 55 अर्धशतक शामिल हैं। 2019 कैलेंडर ईयर में विराट कोहली के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप का नंबर आता है, जिन्होंने इस साल वनडे में 1345 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा ने एक कैलेंडर ईयर में अपने साथी विराट कोहली के सबसे ज्यादा वनडे रनों के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। रोहित शर्मा ने 2019 कैलेंडर ईयर में 1490 रन बनाते ही कोहली ने 2017 कैलेंडर ईयर में बनाए गए 1460 वनडे रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रोहित शर्मा ने इस साल सभी प्रारूपों को मिलाकर दस शतक समेत 2442 रन बनाकर श्रीलंका के सनथ जयसूर्या का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पारी की शुरूआत की थी। रोहित शर्मा ने सभी प्रारूपों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने के सनथ जयसूर्या के 22 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

आग की वजह से रद्द हुआ मैच, दम घुटने लगा और अस्पताल पहुंच गया यह ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज

नई दिल्ली। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में लगी भयानक आग के कारण शनिवार को महाद्वीप में जारी बिग बैग लीग 2019 का मैच रद्द करना पड़ा। धुएं और खराब वायु गुणवत्ता के कारण न सिर्फ केनबरा में जारी इस मैच को रद्द करना पड़ा बल्कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पीटर सिडल की तबीयत भी खराब हो गई। दरअसल, बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच मैच से पहले ही खराब वायु गुणवत्ता की रिपोर्ट सामने आ गई थी। मैच के रिजल्ट के लिए सिर्फ चार गेंदे और फेंके जाने की दरकार थी, लेकिन खेल रोके जाने से पहले पीटर सिडल महज दो ओवर ही गेंदबाजी कर पाए।

मैच रद्द होने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें डॉक्टर से

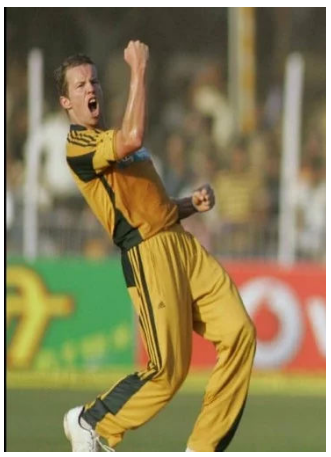

दिखाना पड़ा। मीडिया से बात करते हुए सिडल ने कहा कि, 'फिलहाल मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन उस वक्त हालात बदतर थे, मैं सांस नहीं ले पा रहा था। इस बीच धुएं के कारण यहां नए साल में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाने वाले टेस्ट मैच पर भी खतरा मंडराने लगा है।

यहां यह बताना जरूरी हो जाता है कि, 'ऑस्ट्रेलिया में ऐसे कारणों के चलते पहली बार कोई मैच रद्द हुआ हो। इस मुकाबले में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाए थे।

जवाब में सिडनी थंडर्स 4.2 ओवर में 40/1 बना चुकी थी, तब मैदान पर आग का धुआं फैलने और अदक 200 के पार पहुंचने के बाद रेफरी ने इस मैच को रद्द कर दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'मैंने जाह्नवी कपूर की आंखों में श्रीदेवी जी की झलक देखी': अंगद बेदी

फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः कारगिल गर्ल' में जाह्नवी कपूर और अंगद बेदी पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव शेयर करते हुए अंगद ने उनकी तारीफ की। अंगद ने कहा, जाह्नवी की आंखों में श्रीदेवी जी की झलक नजर आती है। वह एक नैचरल परफॉर्मर हैं लेकिन अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने किसी सीन में अच्छा परफॉर्म नहीं किया है तो वह रीटेक के लिए कहती हैं।' ऐक्टर ने माना कि इस अप्रोच ने उन्हें भी अपना बेस्ट देने के लिए प्रोत्साहित किया। फिल्म में एक प्रटैक्टिव भाई का किरदार निभा रहे अंगद ने बताया, हमारे बीच में कुछ मुश्किल सीन्स शूट किए गए जो खासतौर से भावनात्मक रूप से कठिन थे। ऐक्टर ने कहा कि भले ही मूवी में मुख्य कहानी गुंजन की है लेकिन उसके साथ ही उसके भाई अंशुमन की कहानी को भी बढ़ते हुए दिखाया जाता है। अंगद बेदी ने बताया कि करण जौहर ने उनकी फिल्म 'सूरमा' देखी और उन्हें उनकी ऐक्टिंग पसंद आई। इसके बाद उन्होंने उनकी मुलाकात डायरेक्टर शरण शर्मा से करवाई।

अरबाज खान ने बताया क्यों मलाइका अरोड़ा से हुआ उनका तलाक

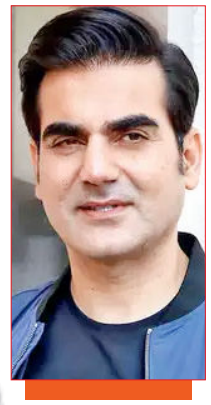

अरबाज खान और मलाइका आरोड़ा बीटाउन के आइडल कपल माने जाते थे। किसी को भनक तक नहीं थी कि दोनों के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है, लेकिन 2 साल पहले दोनों ने अलग होने का फैसला ले लिया। इस फैसले को अरबाज ने एक इंटरव्यू के दौरान 'जरूरी' बताया। खबर मुताबिक, एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में अरबाज ने कहा कि दोनों के रिश्ते में जो भी कुछ हो रहा था वह सिर्फ उन तक सीमित नहीं था, बल्कि इस पूरे सीन में उनका बेटा भी शामिल था। बेटे पर बुरा असर नहीं पड़ने और रिश्ते को और न बिगड़ने देने के लिए मलाइका और अरबाज ने तलाक का फैसला लिया। ऐक्टर ने कहा, यह सब एक ऐसे पॉइंट पर आ गया था जहां से सिर्फ एक ही रास्ता बचता था कि हम जरूरी कदम उठाते हुए इस सब को जितना हो सके उतना ठीक करने की कोशिश करें। अरबाज ने बताया कि जब यह सब हो रहा था तब उनका बेटा 12 साल का था और उसे आइडिया था कि उसके पैरंट्स के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। मैं हमेशा अपने बेटे के साथ हूं। मलाइका के पास अरहान की कस्टडी है और मैं इसे लेकर लड़ना भी नहीं चाहता हूं। मुझे लगता है कि बच्चा जब छोटा होता है तो उसे मां की ज्यादा जरूरत होती है। ऐक्टर ने आगे कहा कि अरहान जल्द ही 18 साल का हो जाएगा, जिसके बाद वह खुद फैसला ले सकता है कि वह क्या चाहता है या किसके साथ रहना चाहता है।

दीपिका का फैन बोला- 'काश मैं टिशू पेपर होता'

दीपिका पादुकोण की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'छपाक' अगले महीने रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसके बाद दीपिका की ऐक्टिंग देखकर लोगों का अच्छा रेस्पांस मिला है। फिलहाल इस समय एक्ट्रेस अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। दीपिका पादुकोण ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में उन्होंने टिशू पेपर पर अपनी होंठों से रेड लिपिस्टिक का निशान छोड़ा हुआ है। इसके बाद तो उनके फैंस ने कॉमेंट करना शुरू कर दिया। दीपिका पादुकोण के टिशू पेपर वाली फोटो पर एक यूजर ने कॉमेंट किया, काश मैं टिशू पेपर होता। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, अगर मुझे यह मिल जाता है तो मैं इसे अपने बेडरूम में फ्रेम करके रख लेता। 'छपाक' एसिड अटैक सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल की रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड है। बता दें कि लक्ष्मी अग्रवाल एसिड अटैक को रोकने के लिए अभियान चला रही हैं। मेघना गुलजार के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 10 जनवरी, 2020 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण के साथ विक्रांत मेसी भी नजर आएंगे। यह फिल्म अजय देवगन की फिल्म 'तानाजीः द अनसंग वॉरियर' से बॉक्स ऑफिस पर टकराएगी।